# दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी कक्षा : सप्तमी

| | | | |
|---|---|---|---|
| **पाठ/प्रकरण का नाम :** | खानपान की बदलती तसवीर | **समयावधि :** | 40 मिनट |
| **विद्यार्थी का नाम :** | ---------- | **पूर्णांक :** | |
| **अनुक्रमांक (रोल नं.) :** | ..... | **दिनांक :** | ...../...../..... |

**निर्देश:-** **1. सभी प्रश्न अनिवार्य है| 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें|**
**3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें|**

**(बहुविकल्पीय प्रश्न)**

प्र. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर उचित विकल्प चुनकर दीजिए-**

पिछले दस पन्द्रह वर्षों में हमारी खान पान की संस्कृति में एक बड़ा बदलाव आया है । इडली-डोसा-बड़ा-सांभर-रसम अब केवल दक्षिण भारत तक सीमित नहीं है। ये उत्तर भारत के भी हर शहर में उपलब्ध है और अब तो उत्तर भारत की 'ढाबा' संस्कृति लगभग पूरे देश में फैल चुकी है । अब आप कहीं भी हों उत्तर भारतीय रोटी दाल साग आपको मिल ही जाएंगे। फास्ट फ़ूड का चलन भी बड़े शहरों में खूब बढ़ा है। इस फास्ट फूड में बर्गर नूडल्स जैसी कई चीजे शामिल हैं। एक ज़माने में कुछ ही लोगों तक सीमित 'चाइनीज नूडल्स' अब संभवतः किसी के लिए अजनवी नहीं रहे।

1. **इडली- डोसा-बड़ा-सांभर के विषय में सही विकल्प है -** 1

*(i) यह केवल दक्षिण भारत में उपलब्ध हैं*
*(ii) यह केवल उत्तर भारत में उपलब्ध हैं*
*(iii) यह सम्पूर्ण भारत में उपलब्ध हैं*
*(iv) यह उत्तर से दक्षिण भारत तक उपलब्ध हैं*

(क) केवल (i)
(ख) केवल (i) एवं (ii)
(ग) केवल iv)
(घ) (iii) एवं (iv)

2. **पाव-भाजी किस प्रांत का स्थानीय व्यंजन है?** 1

(क) राजस्थान का
(ख) महाराष्ट्र
(ग) गुजरात
(घ) मध्य प्रदेश

**3. खानपान की संस्कृति में बड़ा बदलाव कब से आया?** 1

(क) पाँच-सात वर्षों में
(ख) आठ-दस वर्षों में
(ग) दस-पंद्रह वर्षों में
(घ) पंद्रह-बीस वर्षों में

**4. निम्नलिखित कथन कारण को ध्यानपूर्वक पढिए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए -** 1

***कथन - खान पान की संस्कृति में एक बड़ा बदलाव आया है ।***
***कारण - क्योंकि लोगों की रुचि में बदलाब आया है ।***

(क) कथन तथा कारण दोनों गलत है
(ख) कथन तथा कारण दोनों सही है
(ग) कथन सही है तथा कारण गलत है
(घ) कथन गलत है तथा कारण सही है

**5. निम्नलिखित कौनसा विकल्प पाठ और लेखक की दृष्टि से सही है -** 1

(क) खानपान की बदलती तसवीर - अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(ख) खानपान की बदलती तसवीर - भवानी प्रसाद मिश्र
(ग) खानपान की बदलती तसवीर - प्रयाग शुक्ल
(घ) खानपान की बदलती तसवीर - नागार्जुन

**(भाषा की बात पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)**

6. ***निम्नलिखित में से कौनसा द्वन्द्व समास का उदाहरण नहीं है -*** 1

(क) खान-पान
(ख) भला -बुरा
(ग) *गंगा-जल*
(घ) *ऊपर-नीचे*

**7. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म गलत है-** 1

(क) सुख - दुख
(ख) व्यंजन - पकवान
(ग) नया - पुराना
(घ) सीमित - असीमित

**8.** *निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग नहीं है -* 1

(क) दुर्गति (ख) प्रत्येक (ग) अभिमान (घ) स्थानीय

**(वर्णनात्मक प्रश्न)**

**9. फास्ट फूड से आप क्या समझते हैं? लिखिए ।** 2

उत्तर:- ----------

---

---

---

10. **महंगाई ने स्थानीय व्यंजनों को कैसे प्रभावित किया है?** 2

उत्तर:- ----------

---

---

---

11. **खानपान की संस्कृति का 'राष्ट्रीय एकता' में क्या योगदान है?** 2

उत्तर:- ----------

---

---

---

12. **खानपान की नई संस्कृति का नकारात्मक पहलू क्या है? अपने शब्दों में लिखिए।** 2

उत्तर:- ----------

---

---

---

**(रचनात्मक/सृजनात्मक प्रश्न)**

13. **आप खानपान में आए बदलावों को किस रूप में लेते हैं?** 4

उत्तर:- ----------

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## उत्तरमाला

| प्रश्न | दक्षता/उद्देश्य | उत्तर | |
|---|---|---|---|
| | | **(बहुविकल्पीय प्रश्न)** | |
| **1.** | विश्लेषण | (घ) (iii) एवं (iv) | 1 |
| **2.** | समझ | (ख) महाराष्ट्र | 1 |
| **3.** | समझ | (ग) दस-पंद्रह वर्षों में | 1 |
| **4.** | समझ | (ख) कथन तथा कारण दोनों सही है | 1 |
| **5.** | समझ | (ग) खानपान की बदलती तसवीर - प्रयाग शुक्ल | 1 |
| | | **(भाषा की बात पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)** | |
| **6.** | समझ | (ग) *गंगा-जल* | 1 |
| **7.** | अनुप्रयोग | (ख) व्यंजन - पकवान | 1 |
| **8.** | समझ | (घ) स्थानीय | 1 |
| | | **(वर्णनात्मक प्रश्न)** | |
| **9.** | अनुप्रयोग | फास्ट फूड एक प्रकार का व्यंजन ही होता है जो बहुत जल्दी तैयार हो जाता है शहरों की दौड़ती भागती जिंदगी में इसका प्रचलन काफी बढ़ गया है आलू की चिप्स ओर चाइनीज नूडल्स फास्ट फूड में काफी प्रचलन में है और यह स्थानीय भोजन की जगह भी काफी तेजी से लेते जा रहे हैं। | 2 |
| **10.** | अनुप्रयोग | **उत्तरः-** महंगाई का प्रभाव स्थानीय व्यंजनों पर भी पड़ा है स्थानीय व्यंजनों में कई व्यंजन ऐसे भी होते हैं जिनमें मेवा डलता है और लोग महंगाई के कारण ऐसे व्यंजनों को नहीं बना पाते हैं जिससे धीरे धीरे ये व्यंजन विलुप्त होते जा रहे हैं और इस तरह महंगाई ने स्थानीय व्यंजनों को प्रभावित किया है । | 2 |
| **11.** | अनुप्रयोग | **उत्तरः-** खानपान की संस्कृति का राष्ट्रीय एकता में महत्त्वपूर्ण योगदान है। खाने-पीने के व्यंजनों का प्रभाव एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में बढ़ता जा रहा है। उदाहरण के तौर पर उत्तर भारत के व्यंजन दक्षिण व दक्षिण के व्यंजन उत्तर भारत में अब काफ़ी प्रचलित हैं। इससे लोगों में मेलजोल भी बढ़ता जा रहा है जिससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। | 2 |
| **12.** | अनुप्रयोग | **उत्तरः-** लेखक का कहना है कि मिश्रित संस्कृति से व्यंजन का अलग और वास्तविक स्वाद का मज़ा हम नहीं ले पाते हैं। कई बार खानपान की नवीन मिश्रित संस्कृति में हम कई बार चीजों का सही स्वाद लेने से भी वंचित रह जाते हैं, क्योंकि हर चीज़ खाने का एक अपना तरीका और उसका अलग स्वाद होता है। प्रायः सहभोज या पार्टियों में हम विभिन्न तरीके के व्यंजन प्लेट में परोस लेते हैं ऐसे में हम किसी एक व्यंजन का सही मजा नहीं ले पाते। हैं। स्थानीय व्यंजन हमसे दूर होते जा रहे हैं। नई पीढ़ी को इसका ज्ञान नहीं है और पुरानी पीढ़ी भी धीरे-धीरे इसे भुलाती जा रही है। यह खानपान की नवीन संस्कृति के नकारात्मक पक्ष हैं। | |
| | | **(रचनात्मक/सृजनात्मक प्रश्न)** | 4 |
| **13.** | **सृजनात्मकता** | **उत्तरः-** खानपान में आए बदलावों को आधुनिक परिवर्तन के रूप में ले सकते हैं। अब गृहिणियों के पास स्थानीय व्यंजन पकाने के लिए समय नहीं है और प्रचुर मात्रा में वस्तुएँ। अब समय की बचत के लिए जल्दबाजी में काम करती है। अतः कम समय में तैयार होने वाले व्यंजन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन मैं तथा कथित फास्ट फूड्स-नूडल्स पिज़्ज़ा बर्गर का पक्षपाती नहीं हूँ, क्योंकि इनके प्रयोग से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। | |